पुस्तक परिचय

इस रिसर्च के तहत, हम एक बहुत ही बारीकी से क्रिटिकल मेथड का इस्तेमाल करके टेक्स्ट को समझने और कहानियों की तुलना करने की कोशिश करते हैं, जिसका मकसद उन कमियों को सामने लाना है जो हर ज़माने में बाइबिल के टेक्स्ट पर असर डालती रही हैं। यह काम लॉजिक और टेक्स्ट के सबूतों के सिद्धांतों पर आधारित एक तुलनात्मक स्टडी के तौर पर आता है, ताकि इंसानी लिखाई के नेचर और उसमें मौजूद अलग-अलग तरह की बातों की एक साफ तस्वीर पेश की जा सके। सबसे ताकतवर बनाने वाले ने अपने कभी न गलती होने वाले शब्द और बाकी सभी इंसानी लिखाई के बीच फर्क करने के लिए एक साफ क्राइटेरिया बनाया है, जैसा कि वह, उनकी महिमा हो, अपनी पवित्र किताब में कहते हैं: "तो क्या वे कुरान पर सोच-विचार नहीं करते? अगर यह अल्लाह के अलावा किसी और की तरफ से होता, तो वे ज़रूर उसमें बहुत सी कमियां पाते।"

बाइबिल में विरोधाभास

पहला: बताए गए टेक्स्ट

1.

1 पतरस 2:22 "जिसने न तो पाप किया, और न उसके मुंह से कोई छल निकला" मसीह के बारे में बोलता है, और उसकी बेगुनाही और पूर्णता की ओर इशारा करता है।

2.

रोमियों 5:12

इसलिए, जैसे एक आदमी के ज़रिए पाप दुनिया में आया, और पाप
के ज़रिए मौत आई, और इस तरह मौत सब लोगों में फैल गई, क्योंकि
उसने पाप किया।

(मसीह ने पाप नहीं किया (पहले टेक्स्ट के अनुसार) • लेकिन मौत

- "सब लोगों में फैल गई है" क्योंकि "सबने पाप किया है" (दूसरे टेक्स्ट के अनुसार)

मसीह की वंशावली : 1. मैथ्यू के गॉस्पेल

(मैथ्यू 1:1-16) में कहा गया है कि यीशु की वंशावली डेविड के बेटे सोलोमन से शुरू होती है
। ल्यूक के गॉस्पेल (ल्यूक 23:3-38) में कहा
गया है कि वंशावली डेविड के बेटे नाथन से शुरू होती है ।

यीशु का जन्म: 2. मैथ्यू

के सुसमाचार (मैथ्यू 18: 1-25) में, मैगी की यात्रा के साथ, बेथलहम में यीशु के जन्म का
उल्लेख किया गया है।

ल्यूक के सुसमाचार (ल्यूक 1:2-7) में यीशु के जन्म के बारे में और जानकारी दी गई है, जिसमें रोमन जनगणना और चरवाहों के आने का ज़िक्र भी शामिल है।

3. मिस्र में यीशु का जीवन: मैथ्यू के गॉस्पेल (मैथ्यू 15:2-13) में, हेरोदेस के बच्चों को मारने की कोशिश के बाद यीशु मिस्र भाग गए। ल्यूक के गॉस्पेल में, यीशु के मिस्र भागने का ज़िक्र नहीं है । 4. यीशु के लालच: मैथ्यू के गॉस्पेल (मैथ्यू 11:4-1) में, जंगल में यीशु के तीन लालच बताए गए हैं। ल्यूक के गॉस्पेल (ल्यूक 13:4-1) में, घटनाओं का क्रम अलग है ।

5. प्रार्थना पर शिक्षा: मैथ्यू के सुसमाचार (मैथ्यू 9:6-13) में, प्रभु की प्रार्थना को पहाड़ पर उपदेश के हिस्से के तौर पर सिखाया गया है। ल्यूक के सुसमाचार (ल्यूक 2:11-4) में, वही प्रार्थना सिखाई गई है, लेकिन थोड़े अलग तरीके से । राज्य का कॉन्सेप्ट: मैथ्यू के सुसमाचार में, " स्वर्ग के राज्य " के बारे में बहुत बात की गई है।

मार्क के सुसमाचार में, "परमेश्वर के राज्य : चंगाई के चमत्कार" पर ध्यान दिया

7. गया है।

मैथ्यू के सुसमाचार (मैथ्यू 1:4-8) में, यीशु कोढ़ी को ठीक करते हैं। ल्यूक के सुसमाचार (ल्यूक 12:5-14) में , चमत्कार को अलग-अलग तरीकों से बताया गया है , जिसमें कई बातचीत शामिल हैं।

8. मैथ्यू के सुसमाचार (मैथ्यू

45:27-46) में, यीशु कहते हैं, " मेरे भगवान, मेरे भगवान, तुमने मुझे क्यों छोड़ दिया?" मार्क के सुसमाचार (मार्क 34:15) में, वह एक ही बात कहता है, लेकिन ल्यूक के सुसमाचार (ल्यूक 46:23) में, यीशु कहते हैं, "पिता, मैं अपनी आत्मा को आपके हाथों में सौंपता हूं । " 9. मैथ्यू के सुसमाचार (मैथ्यू 36:26-46) में, यीशु शिष्यों के साथ तीन बार प्रार्थना करता है। ल्यूक के सुसमाचार

(ल्यूक 39:22-46) में, यीशु अलग तरह से प्रार्थना करता

है और पसीने को "रक्त की बूंदों" के रूप में बोलता है । 10. मैथ्यू के सुसमाचार (मैथ्यू 1:28-10)

मार्क के गॉस्पेल (मार्क 1:8-16) में, कब्र खुली है । इसके अलावा, लेकिन स्वर्गदूत का महिलाओं को पुनरुत्थान के बाद की घटनाओं के बारे में बताने का विवरण अलग है। 11. मैथ्यू के गॉस्पेल (मैथ्यू 16:20-28) में, यीशु गलील में शिष्यों को दिखाई देते हैं और उन्हें एक मिशन देते हैं। ल्यूक के गॉस्पेल (ल्यूक 36:24-49) में, यरूशलेम में पुनरुत्थान के बाद की घटनाएँ दिखाई देती हैं। 12. जॉन के गॉस्पेल (जॉन 19:20-23) में, यीशु ऊपर के कमरे में अपने शिष्यों को दिखाई देते हैं और उन्हें पवित्र आत्मा देते हैं। मैथ्यू के गॉस्पेल (मैथ्यू 16:20-28) में, यीशु पुनरुत्थान के बाद गलील में दिखाई देते हैं।

बिल्कुल! यहाँ कुछ विरोधाभास हैं जिनका ज़िक्र कभी-कभी 13 में किया गया है । बाइबिल के बारे में आलोचनात्मक चर्चा, उसी स्टाइल में जैसा भारतीय लेखक ज़िदनी को बताया गया है – यानी, सीधे, साफ़ स्टाइल में, जो टेक्स्ट के बीच तुलना पर आधारित है।

यीशु के फिर से जी उठने के बाद सबसे पहले किसने देखा? 1. मैथ्यू 28 :9-1 के अनुसार , "मैरी मैग्डलीन और दूसरी मैरी " ने यीशु को सबसे पहले देखा।

यूहन्ना 20 :17-14 में , सिर्फ़ मरियम मगदलीनी ने ही उन्हें सबसे पहले देखा
था। कितनी औरतें कब्र पर गईं? 2. मत्ती
28 :1: सिर्फ़ दो मरियम । मरकुस 16 :1: तीन औरतें । लूका
24:10 : बहुत सी औरतें । यूहन्ना 20
:1 : सिर्फ़ मरियम मगदलीनी । क्या पौलुस
ने मसीह को अकेले देखा था, या उसके साथ
और भी लोग थे? 3. प्रेरितों के काम 9 :7 : "जो आदमी
उसके साथ थे, वे आवाज़ सुनकर चुप हो गए।" प्रेरितों के काम 22 :9 : "लेकिन
जो मेरे साथ थे, उन्होंने आवाज़ नहीं सुनी। "

क्या यहूदा की मौत गला घोंटने से हुई या गिरने और पेट फटने से? 4. मैथ्यू
27 :5 : "तो वह गया और अपना गला घोंट लिया।"
प्रेरितों के काम 1:18 : "वह मुँह के बल गिरा, और उसका शरीर बीच से फट गया ।
" और उसकी सारी आँतें बाहर
निकल आईं। दाऊद से देश निकाला तक मसीह की वंशावली में कितनी पीढ़ियाँ हैं?
5. मैथ्यू 1 :11-6 : चौदह पीढ़ियाँ । लेकिन टेक्स्ट में
नामों की संख्या के अनुसार , केवल तेरह हैं ।

क्या यीशु उसी दिन स्वर्ग गए जिस दिन उनका पुनरुत्थान हुआ था, या चालीस दिन
बाद? लूका 24:51: वह

उसी दिन स्वर्ग गए । प्रेरितों के काम 1 :9-3 : वह चालीस
दिन बाद स्वर्ग गए ।

क्या यीशु को पता है कि वह घड़ी (पुनरुत्थान) कब आएगी? 7. मरकुस

13:32 " लेकिन उस दिन या घड़ी के बारे में कोई नहीं जानता, न स्वर्ग के
फ़रिश्ते, न बेटा, बल्कि सिर्फ़ पिता।" यूहन्ना 16:30 चेले कहते हैं, "अब हम
जानते हैं कि तुम सब कुछ
जानते हो । " एक साफ़ उलटी बात: क्या वह सब कुछ जानता है, या वह घड़ी का दिन
भी नहीं जानता?
यीशु का क्रॉस किसने उठाया? 8. "...यूहन्ना 19:17 " और वह अपना क्रॉस
उठाकर बाहर चला

गया ।" मत्ती 27:32, मरकुस 15:21,

लूका 23:26 " उन्होंने साइरेन के एक आदमी को पकड़ा जिसका नाम
साइमन था... यीशु के पीछे क्रॉस उठाने के लिए।" क्रॉस पर यीशु के आखिरी
शब्द क्या थे? 9.

मैथ्यू 27:46 और मार्क 15:34 " हे मेरे परमेश्वर, हे मेरे परमेश्वर, तूने मुझे क्यों छोड़ दिया? "

ल्यूक 23:46 "

हे पिता, मैं अपनी आत्मा तेरे हाथों में सौंपता हूं । " जॉन 19:30 " यह पूरा हुआ।" क्या प्रभु

लोगों को परखते हैं? 10.

याकूब 1:13 " न तो परमेश्वर को बुराई लुभा सकती है, और न वह किसी को लुभाता है।"

उत्पत्ति 22 :1 "इन

बातों के बाद परमेश्वर ने अब्राहम को परखा।" यीशु ने दुष्टात्माओं से भरे हुए आदमी

में से कितनी दुष्टात्माएँ निकालीं? 11.

मरकुस 5 :13-2 एक आदमी में बहुत सारी दुष्टात्माएँ थीं । (बहुत सारी दुष्टात्माएँ ।) मत्ती 8 :32-28 दो

दुष्टात्माओं से भरे हुए आदमी कब्रों से निकले । अब्राहम से मसीह तक कितनी पीढ़ियाँ

हैं? 12. मत्ती 1:17 " अब्राहम से

दाऊद तक की सारी पीढ़ियाँ चौदह हैं , और दाऊद से बेबीलोन की बंधुआई तक चौदह, और

बेबीलोन की बंधुआई से मसीह तक चौदह हैं।" लेकिन जब उसी टेक्स्ट में नामों

की गिनती की जाती है: बेबीलोन की बंधुआई से मसीह तक , तो 14 पीढ़ियाँ नहीं, बल्कि सिर्फ़

13 हैं? 13. क्या परमेश्वर देखता है?

एक बिल्ली ।" यूहन्ना 1:18 " परमेश्वर ने उसे नहीं देखा।" निर्गमन

33:11 " और प्रभु ने मूसा से आमने-सामने बात की, जैसे कोई आदमी अपने दोस्त से बात करता

है।"

क्या इस्लामी कानून हमेशा के लिए है या खत्म हो गया है? 14.

मत्ती 5 :17-18 "यह मत सोचो कि मैं नाश करने आया हूँ

नियम... जब तक स्वर्ग और पृथ्वी रहेंगे, कोई भी अक्षर गायब नहीं होगा।

"एक या एक बूंद मच्छर

रोमियों 6:14 "तुम कानून के अधीन नहीं, बल्कि अनुग्रह के अधीन हो।" इब्रानियों 7 : 18-19 "क्योंकि तुम अनुग्रह के अधीन हो, क्योंकि कानून के द्वारा यह बात रद्द हो जाती है ।"

पिछला वाला कमज़ोर और बेकार था।

क्या सभी ने गलती की? 15.

रोमियों 3:23 " क्योंकि सब ने पाप किया है और उस महिमा से रहित हैं जो उन्हें मिलनी चाहिए ।"

"।ईश्वर

अय्यूब 1 :1 "वह एक सीधा-सादा और सीधा आदमी था, जो परमेश्वर से डरता था और

बुराई से दूर रहता था।"

लूका 1 :6 "वे दोनों परमेश्वर के सामने धर्मी थे और परमेश्वर के मार्गों पर चलते थे।"

प्रभु की सारी आज्ञाएँ और नियम बेदाग हैं। (जकर्याह का ज़िक्र करते हुए)

(और एलिजाबेथ

क्या भगवान को पछतावा होता है? 16.

उत्पत्ति 6 :6 "प्रभु को धरती पर इंसान को बनाने से दुख हुआ , और उसका दिल

परेशान हो गया।" गिनती 23:19 " ईश्वर

इंसान नहीं है कि झूठ बोले, और न ही वह इंसान का बेटा है कि पछतावा करे।"

क्या मूसा ने ईश्वर

का चेहरा देखा? 17. निर्गमन 33:11 " प्रभु ने

मूसा से आमने-सामने बात की, जैसे कोई इंसान अपने दोस्त से बात करता है। "

निर्गमन 33:20 " क्योंकि इंसान

मुझे देखकर ज़िंदा नहीं रह सकता। " क्या प्रभु बुराई पैदा करते हैं? 18. यशायाह

45 :7 "वह रोशनी बनाते हैं और अंधेरा

बनाते हैं, वह शांति बनाते हैं और बुराई बनाते हैं ।" याकूब 1:17 " हर अच्छा तोहफ़ा

और हर बढ़िया तोहफ़ा ऊपर से

रोशनी के पिता से आता है, जिसमें कोई बदलाव या परछाई नहीं होती।" क्या माता-

पिता को उनके बच्चों के पापों के लिए सज़ा देना सही है? 19. निर्गमन 20 :5

"मैं बच्चों को उनके पिताओं के

पापों की सज़ा दूँगा।" यहेजकेल 18:20 " बेटा पिता के अधर्म का बोझ

नहीं उठाएगा, और न पिता बेटे के अधर्म का।" बाढ़ कितने दिनों तक चली?

20.

उत्पत्ति 7:17 " और जलप्रलय पृथ्वी पर चालीस दिन तक रहा ।" उत्पत्ति 7:24 "
और जल पृथ्वी
पर एक सौ पचास दिन तक रहा।"

क्या प्रभु दिखाई देते हैं या नहीं दिखते? 21. 1
टिमोथी 6:16 की एक आयत कहती है , "जिसे न तो किसी इंसान ने देखा है,
और न ही देख सकता है।" जेनेसिस
2:18 कहता है , "प्रभु यूचरिस्ट के बड़े ओक के पेड़ों के पास उसे दिखाई दिए ...
" (और अब्राहम से बात की)। क्या यीशु भगवान
हैं या भगवान से कम? 22. जॉन 10:30 कहता है , "मैं और
पिता एक हैं । " जॉन 14:28 कहता है , "मेरा पिता मुझसे
बड़ा है। " क्या यीशु सब कुछ कर सकता है? 23. मैथ्यू
28:18 कहता है, "स्वर्ग और पृथ्वी का सारा अधिकार मुझे दिया
गया है । " मार्क 6:5 कहता है, "और वह वहाँ कोई शक्ति नहीं दिखा सका । "

क्या चेलों को पवित्र आत्मा यीशु के स्वर्ग जाने से पहले मिला था या बाद में?

यूहन्ना 20:22 "और उसने उन पर फूंका और कहा, 'पवित्र आत्मा लो ।'" प्रेरितों के काम 4:1-2: पिन्तेकुस्त के दिन उसके स्वर्ग जाने के बाद उन्हें पवित्र आत्मा मिला । याकूब के साथ कितने लोग

मिस्र में आए? 25. उत्पत्ति 46:27 "याकूब के घराने के सभी लोग जो

मिस्र आए थे, वे सत्तर थे। " प्रेरितों के काम 7:14 "और यूसुफ ने अपने पिता याकूब और अपने सभी रिश्तेदारों, जो पचहत्तर लोग थे, को बुलाया ।" खून का खेत किसने खरीदा? 26. मत्ती 27:7 "तो उन्होंने आपस में सलाह की और उससे कुम्हार का खेत खरीदा

। " प्रेरितों के काम 1:18 "इस आदमी ने

अपनी बुराई की कमाई से खेत खरीदा। " क्या पछतावा काफी है, या काम ज़रूरी हैं? 27. प्रेरितों के काम 16:31 "उसने प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास किया और बच

गया।" याकूब 2:24 " तो तुम देखते हो, कि एक इंसान कामों से सही

ठहराया जाता है, न कि सिर्फ विश्वास से।" क्या कोई ऐसा नेक इंसान है जो पाप नहीं करता? 28.

सभोपदेशक 7:20 “धरती पर ऐसा कोई नहीं है जो अच्छा हो और पाप न करता हो । ”

अय्यूब 1:1 “वह एक निर्दोष और

सीधा आदमी था ।” क्या प्रभु दुष्टों की मृत्यु में आनन्दित होता है? 29.

यहेजकेल 18:23 “क्या दुष्टों को मारना मेरा मन है? ” प्रभु

परमेश्वर की घोषणा है। व्यवस्थाविवरण 28:63 “जैसे प्रभु तुम्हें अच्छा करने में आनन्दित

हुआ, वैसे ही प्रभु तुम्हें नष्ट

करने में आनन्दित होगा।” क्या परमेश्वर अपना मन बदलता है? 30. 1 शमूएल 15:29

“इस्राएल झूठ नहीं बोलता या पश्चाताप नहीं

करता, ” क्योंकि वह पश्चाताप करने

वाला मनुष्य नहीं है। निर्गमन 32:14 “तब प्रभु ने उस विपत्ति से पछताया जो उसने अपने

लोगों पर लाने की बात कही थी । ”

क्या परमेश्वर शांति का परमेश्वर है या युद्ध का परमेश्वर?

31. रोमियों 15:33 “और शांति का परमेश्वर तुम सबके साथ रहेगा । ” निर्गमन 15:3

“प्रभु युद्ध का पुरुष है; प्रभु उसका नाम है ।” क्या शैतान लालच देने वाला है या

परमेश्वर? 32.

मैथ्यू 4:1 "तब यीशु को आत्मा जंगल में ले गई ताकि शैतान उसे परख सके।" 2 शमूएल
24:1 "और प्रभु ने इस्राएल पर

अपना गुस्सा और बढ़ाया , इसलिए उसने दाऊद को उनके खिलाफ भड़काया।" 1
इतिहास 21:1 "और शैतान इस्राएल के

खिलाफ उठा और दाऊद को इस्राएल की गिनती करने के लिए भड़काया।"

(उलटा: क्या प्रभु ने दाऊद को भड़काया या शैतान को?) बढ़ई

यूसुफ का पिता कौन था? 33.

मैथ्यू 1:16 "और याकूब से यूसुफ पैदा हुआ, जो मरियम का पति था । " ल्यूक
3:23 "और यूसुफ हेली का बेटा था ।" बेथलहम की शुरुआत

क्या है? 34. मीका 5:2 "लेकिन तुम,

बेथलहम एप्राता, यहूदा के कुलों में इतने छोटे हो कि तुम उनमें से नहीं हो।" जॉन 7:42
"क्या पवित्र शास्त्र में यह नहीं कहा गया
है कि वह दाऊद के वंश का था और बेथलहम , जिस गाँव में दाऊद रहता था, वहाँ मसीहा
आएगा?" लेकिन मैथ्यू 2 और ल्यूक 2 में बेथलहम का ज़िक्र है । और
जॉन में, लोग सोचते हैं कि यीशु गलील से हैं। क्या भगवान कानून
बदलते हैं? 35. भजन 89:34 "मैं अपना वादा नहीं तोड़ूँगा या जो मेरे
मुँह से निकला है उसे नहीं बदलूँगा । "

हिब्रू 7:12 "क्योंकि अगर प्रीस्टहुड बदला है, तो कानून में भी
बदलाव होना ज़रूरी है।" क्या जीसस के शरीर में सड़न

हुई? 36. एक्ट्स 2:31 "उनका शरीर कब्र में

नहीं छोड़ा गया और न ही सड़न देखी । " लेकिन मैथ्यू 12:40 "जैसे
योना बड़ी मछली

के पेट में था ... तीन दिन और तीन रात।" बायोलॉजिकल सड़न तीन दिन
बाद शुरू होती है। तो यह सड़न
कैसे नहीं देख सकती? क्या पृथ्वी घूमती है या स्थिर है? 37. भजन
104:5

"उसने पृथ्वी को उसकी नींव पर स्थापित

किया, ताकि वह कभी हिले नहीं । " लेकिन साइंस पृथ्वी के घूमने की पुष्टि
करता है, जो कुछ पुराने नियम के
टेक्स्ट में इस कॉन्सेप्ट के उलट है। क्या जीसस अकेले थे जो स्वर्ग
गए थे? 38. जॉन 3:13 "कोई भी स्वर्ग नहीं गया

सिवाय उसके जो स्वर्ग से उतरा , यानी इंसान का बेटा।" 2 किंग्स 2:11

"एलियाह एक बवंडर में स्वर्ग चला गया ।"

यीशु को किसने दफ़नाया? 39.

मार्क 15:43-46: अरिमथिया के यूसुफ ने यीशु को दफ़नाया । जॉन 19:38-42:
अरिमथिया
के यूसुफ और निकोडेमस दोनों ने ऐसा किया। क्या परमेश्वर लोगों को धोखा देता
है? 40. थिस्सलुनीकियों

2:11: "इस कारण परमेश्वर उन्हें धोखे

का काम भेजेगा। " जेम्स 1:13 : "परमेश्वर किसी को परीक्षा में नहीं डालता और
न ही किसी को धोखा

देता है।"

क्या कानून के ज़रिए नेकी मुमकिन है? 41. लूका

1:6 "और वे दोनों भगवान के सामने नेक थे, और प्रभु की सभी आज्ञाओं और नियमों
पर बिना किसी गलती के चलते थे।" रोमियों 3:20 "क्योंकि
कानून के कामों से शरीर नेक नहीं ठहराया जाएगा । "

मूसा की किताबें किसने लिखीं? 42. ऐसा

कहा जाता है कि मूसा ने पहली पाँच किताबें लिखीं , लेकिन Deuteronomy
5:34-7 में मूसा की मौत और दफ़नाने का ज़िक्र है , जिसका मतलब है कि
लेखक मूसा नहीं हो सकता था । क्या भगवान लोगों को विश्वास करने के लिए मजबूर

करते हैं? 43.

जॉन 6:44 "कोई भी मेरे पास नहीं आ सकता जब तक मैं उसे खींच न लूँ।" प्रकाशितवाक्य 3:20 "

देख, मैं दरवाज़े पर खड़ा हूँ और खटखटाता हूँ। अगर कोई मेरी आवाज़ सुनकर दरवाज़ा खोलेगा, तो मैं उसके अंदर जाऊँगा।" क्या मुक्ति सिर्फ़ विश्वास से

मिलती है या विश्वास और कामों से? 44. इफिसियों 9:2-8 "क्योंकि तुम विश्वास के ज़रिए

कृपा से बचाए गए हो... " कामों से नहीं। जेम्स 2:26 "कामों के बिना विश्वास मरा हुआ है। " क्या मसीह सभी के लिए

भेजा गया था या सिर्फ़ इस्राएलियों के लिए? 45. मैथ्यू 15:24 "मुझे सिर्फ़

इस्राएल के घराने की खोई हुई भेड़ों के लिए भेजा गया था। " मैथ्यू 28:19 "इसलिए जाओ

और सभी देशों के लोगों को चेला बनाओ। " यीशु के जन्म से पहले एक साथ? 46. क्या यूसुफ और मरियम

सो गए थे ? मैथ्यू 1:25 कहता है, "और जब तक उसने अपने जेठे बेटे को जन्म

नहीं दिया, तब तक वह उसे नहीं जानता था। " इसका मतलब है कि वह उसे जन्म

के बाद जानता था , जबकि चर्च सिखाता है कि वह उसे कभी नहीं जानता था और वह कुंवारी रही। यह टेक्स्ट के उलट है। क्या सभी पैगंबरों

ने मसीह के सूली पर चढ़ने के बारे में बात की थी? 47. प्रेरितों के काम 3:18 कहता है , "सभी पैगंबरों ने मसीह के दुखों के बारे में बात की थी।"

हालांकि पुराने नियम में मसीह को इस तरह सूली पर चढ़ाए जाने का कोई सीधा या साफ़ ज़िक्र नहीं है, लेकिन क्या परमेश्वर हमेशा पछतावा करते हैं और माफ़ करते हैं? 48.

यशायाह 55:7 "वह प्रभु की ओर फिरे, और वह उस पर दया करेगा, और हमारे परमेश्वर की ओर । " क्योंकि वह बहुत क्षमा करेगा।

नीतिवचन 29:1-28 "तब वे मुझे पुकारेंगे, और मैं उत्तर न दूंगा... " क्योंकि वे ज्ञान से नफ़रत करते थे। पुनरुत्थान और स्वर्गारोहण के बीच कितने दिन थे? 49. लूका 24 बताता है कि स्वर्गारोहण उसी दिन हुआ था । प्रेरितों के काम 1:3 वह चालीस दिन बाद स्वर्ग गया ।

क्या यीशु ही एकमात्र उद्धारकर्ता हैं? 50. प्रेरितों के काम 4:12: "किसी और में उद्धार नहीं है । " लेकिन होशे 4:13 में: "मैं तुम्हारा परमेश्वर यहोवा हूँ... और मेरे अलावा कोई उद्धारकर्ता नहीं है ।"

क्या परमेश्वर को आमने-सामने देखा जा सकता है? 51. उत्पत्ति 32:30

“इसलिए याकूब ने उस जगह का नाम पेनीएल रखा , और कहा, ‘क्योंकि मैंने परमेश्वर को आमने-सामने देखा है, और फिर भी मेरा जीवन नहीं बचा। ’ ” यूहन्ना 1:18 “किसी ने भी परमेश्वर को कभी नहीं देखा। ”

क्या मसीह सिर्फ़ दुनिया की रोशनी हैं? 52. जॉन 8:12 "मैं

दुनिया की रोशनी हूँ ।" (मैथ्यू 5:14 "तुम दुनिया की रोशनी

हो।") (विश्वासियों के लिए संबोधन) क्या सब कुछ अलाउड है, या कुछ पाबंदियाँ हैं?

53. 1 कुरिन्थियों 10:23 "मेरे लिए सब कुछ जायज़ है। " लेकिन

सब कुछ अलाउड नहीं है। प्रेरितों के काम 15:29 खाने, खून और बलिदान पर खास पाबंदियाँ लगाता है। क्या यीशु शांति के लिए

आए थे या तलवार के लिए? 54. ल्यूक 2:14 " सबसे ऊँचे लेवल पर परमेश्वर की महिमा हो, और धरती पर

शांति हो।" (मैथ्यू 10:34 "मैं शांति लाने नहीं, बल्कि तलवार लाने आया हूँ

।") क्या परमेश्वर बच्चों को उनके पिता के पापों की सज़ा देता है? 55. एक्सोडस 20:5 "मैं बच्चों को

उनके पिता के पापों की सज़ा तीसरी और चौथी पीढ़ी तक देता हूँ । " (यहेजकेल

18:20 "बेटा पिता के पाप का बोझ नहीं उठाएगा ।") क्या मसीह

को सूली पर चढ़ाने वाले जानते थे कि वह कौन था? 56. लूका 23:34 "हे पिता, उन्हें माफ़ कर, क्योंकि वे नहीं जानते।" वे

जानते हैं कि वे क्या कर रहे हैं।

मैथ्यू 27:54 "सच में यह परमेश्वर का पुत्र था!" (सूली पर चढ़ाए जाने के दौरान

सूबेदार ने यह कहा।) क्या

मसीह अपनी मर्ज़ी से मरा या उसे मार दिया गया? 57. जॉन

10:18 "कोई इसे मुझसे छीन नहीं सकता, बल्कि मैं इसे अपनी मर्ज़ी से छोड़ता हूँ। "

प्रेरितों के काम

2:23 "तुमने उसे सूली पर चढ़ाया और बुरे लोगों के हाथों मरवा दिया। " क्या

मूसा सबसे ज़्यादा बोलने वाला था या बोलने में धीमा था? 58. प्रेरितों के काम 7:22

"मूसा को मिस्रियों की सारी समझदारी सिखाई गई थी । " वह बोलने में दमदार था। निर्गमन

4:10 "मैं न तो कल से बोलने में अच्छा हूँ

और न परसों से... बल्कि मैं बोलने और ज़बान से धीमा हूँ। " क्या मसीह शापित था या

नहीं? 59. गलातियों 3:13 "वह हमारे लिए शापित बन गया। "

कुरिन्थियों 12:3 "परमेश्वर की आत्मा से

बोलने वाला कोई भी यह नहीं कहता कि यीशु शापित है।" क्या

47:26-49 यहूदा को उस जगह के बारे में पता था, इसमें कोई विरोधाभास है? 60. मैथ्यू

यहूदा ने उन्हें किस करके यीशु की ओर इशारा किया । यूहन्ना 2:18-3 "और

यहूदा उस जगह को जानता था, क्योंकि यीशु अक्सर अपने चेलों के साथ वहाँ मिलते थे।"

(यानी, किस की ज़रूरत साफ़ नहीं थी।)

क्या भगवान कभी-कभी बुरे लोगों को इनाम देते हैं? 61.

मैथ्यू 5:45 “वह अपना सूरज बुरे लोगों और अच्छे लोगों दोनों पर चमकाता है ।” भजन 92 :7

“जब बुरे लोग घास की तरह खिलते हैं… ” हमेशा के लिए खत्म हो जाते हैं। क्या किसी इंसान के लिए पाप न करना

मुमकिन है? 62.

यूहन्ना 3:9 "जो कोई परमेश्वर से जन्मा है, वह कभी पाप नहीं करेगा । " यूहन्ना 1:8 "यदि हम

कहें कि हम में कोई पाप नहीं, तो हम अपने आप को धोखा देते हैं । "

क्या झूठ बोलना हमेशा पाप होता है? 63.

नीतिवचन 12:22: “झूठे होंठ प्रभु के लिए घृणित हैं ।” यहोशू 6:2-4: “ राहाब

ने सैनिकों से झूठ बोला और जासूसों को बचाया, और इसके लिए उसकी तारीफ़ हुई। ” क्या भगवान बुराई के लिए पछताते हैं? 64.

निर्गमन 32:14: “तब प्रभु ने उस मुसीबत के लिए

पछताया जो उसने अपने लोगों पर करने की बात कही थी । ”

गिनती 23:19 "परमेश्वर मनुष्य नहीं है कि झूठ बोले, और न वह मनुष्य का पुत्र है कि
पछताए।"

क्या यीशु दुनिया को बचाने आया था या उसे दोषी ठहराने? 65. यूहन्ना

12:47 "मैं दुनिया को दोषी ठहराने नहीं, बल्कि उसे बचाने आया हूँ। " यूहन्ना
9:39 "मैं
न्याय के लिए इस दुनिया में आया हूँ। " क्या यीशु को अंजीर का समय पता

था? 66. मरकुस 11:13 "यह अंजीर का मौसम नहीं था।"

वह और उसने पेड़ को श्राप दिया क्योंकि वह फलदार नहीं था। क्या उसे फल
लगने का सही समय नहीं पता था? क्या सिर्फ़ पिता
ही न्याय के दिन को जानता है? 67. मरकुस 13:32 "लेकिन कोई

भी उस दिन या उस घंटे को नहीं जानता , यहाँ तक कि बेटा

भी नहीं, बल्कि सिर्फ़ पिता।" यूहन्ना 16:30 "अब हम जानते हैं कि आप सब कुछ जानते
हैं। " क्या दाऊद के बेटों की कोई खास संख्या

थी? 68. 2 शमूएल 13 :16-5:13 दाऊद के बेटों के नामों की लिस्ट। 1

इतिहास 1 :9-3:1 नामों की अलग-अलग लिस्ट। बेटे और

उनका क्रम। क्या परमेश्वर का उद्धार कंडीशनल है या अनकंडीशनल? 69.

प्रेरितों के काम 16:31 "प्रभु यीशु पर विश्वास करो और बच जाओ।" मैथ्यू 7:21 "

हर कोई जो मुझसे, 'प्रभु, प्रभु , ' कहता है, स्वर्ग के राज्य में प्रवेश नहीं करेगा, बल्कि केवल

वही जो मेरे पिता की इच्छा पर चलता है।" क्या मसीह कानून को बनाए रखने या उसे खत्म

करने आया था? मैथ्यू 5:17 "मैं इसे खत्म करने नहीं बल्कि इसे पूरा करने आया हूँ ।"

गलातियों 3:13 "मसीह ने हमें कानून के श्राप से छुड़ाया । " रोमियों 7:6

"हमें कानून से आज़ाद कर दिया गया है । "

क्या परमेश्वर हत्या करने से मना करते हैं या इसकी आज्ञा देते हैं? 71.

निर्गमन 20:13 “तुम हत्या नहीं करोगे” 1

शमूएल 15:3 “अब जाओ और अमालेकियों पर हमला करो ... उन्हें मत छोड़ो, बल्कि

पुरुषों और महिलाओं, बच्चों और शिशुओं को मार डालो।” क्या परमेश्वर कभी-कभी नेक लोगों

को सज़ा देते हैं?

72.

भजन 34:19 "नेक इंसान पर बहुत सी मुसीबतें आती हैं, लेकिन प्रभु उसे उन सबसे बचाता

है।" अय्यूब 23:9-22 "बेगुनाह और

बुरे लोग मारे जाने पर खत्म हो जाते हैं।" कोड़ा अचानक बेगुनाहों की परीक्षा का मज़ाक

उड़ाता है। क्या यीशु अपने पिता के ज़रिए डेविड के वंशज हैं या मरियम

के ज़रिए? 73.

मत्ती 16:1-1 यूसुफ बढ़ई के माध्यम से वंशावली o लेकिन सिद्धांत के अनुसार यीशु यूसुफ का शारीरिक पुत्र नहीं है , o तो वह उससे दाऊद का वंश कैसे प्राप्त करता है?

क्या औरतों को चर्च में चुप रहना चाहिए? 74. कुरिन्थियों 14:34 "तुम्हारी औरतें

चर्च में चुप रहें।" 1 प्रेरितों के काम 21:9 "फिलिप्पुस की चार बेटियाँ थीं । " कुंवारी लड़कियाँ जो भविष्यवाणी करती थीं (वे चुप रहकर भविष्यवाणी कैसे कर सकती थीं?) क्या मसीह का क्रॉस

ज़रूरी था या रुकावट? 75. गलातियों 3:13

"वह हमारे लिए श्राप बन गया । " कुरिन्थियों 1:23 "हम क्रूस पर चढ़ाए गए

मसीह का प्रचार करते हैं..." 1 "यहूदियों के लिए रुकावट ।"

लूका 22:42 "अगर तुम मुझसे यह प्याला लेने को तैयार हो ।" क्या परमेश्वर को देखा जा सकता है

और उसकी आवाज़ सुनी जा सकती है? 76. यूहन्ना 5:37 "तुमने कभी उसकी आवाज़

नहीं सुनी और न ही उसका रूप देखा है ।" निर्गमन 33:11 " प्रभु

ने मूसा से आमने-सामने बात की, जैसे कोई आदमी अपने दोस्त से बात करता है।" दाऊद से

मसीह तक कितनी पीढ़ियाँ थीं? 77.

मैथ्यू 1:17: "डेविड से लेकर बेबीलोन की कैद तक की सभी पीढ़ियाँ चौदह हैं , और कैद से लेकर क्राइस्ट तक की पीढ़ियाँ चौदह हैं।" लेकिन टेक्स्ट में असल गिनती सही संख्या नहीं बताती है। क्या शैतान के पास दुनिया पर अधिकार है?

जॉन 5:19: "सारी दुनिया शैतान के कब्ज़े में है ।" मैथ्यू 28:18:

"स्वर्ग और पृथ्वी का सारा अधिकार मुझे दिया गया है ।" (क्या अधिकार शैतान के पास है, या जीसस के पास?) क्या प्रभु सभी पापों को माफ़ करते हैं? जॉन 1:9 : "अगर

हम अपने पापों को मान लें, तो वह विश्वासयोग्य और

न्यायी है । " मार्क 3:29: "जो कोई पवित्र आत्मा

की निंदा करता है, उसे हमेशा के लिए माफ़ नहीं किया जाएगा।" क्या भगवान और लोगों के बीच कोई

बिचौलिया है? 80. टिमोथी 2:5 "क्योंकि एक ही भगवान और एक ही बिचौलिया है ।" भगवान और इंसानों के

बीच एक, इंसान जीसस क्राइस्ट। यूहन्ना 14:16 “और मैं पिता

से विनती करूंगा, और वह तुम्हें एक सहायक देगा । ” तुम्हारे साथ रहने के

लिए एक और। यदि एक मध्यस्थ है, तो क्या पवित्र आत्मा दूसरा मध्यस्थ

है?

आशीर्वाद कानून से मिलता है या विश्वास से? 81. व्यवस्थाविवरण 1:28-2: "अगर

तुम अपने भगवान की बात मानोगे... तो ये आशीर्वाद तुम पर आएंगे ।" गलातियों 11:3:

"कानून से कोई भी भगवान के सामने सही

नहीं ठहराया जाएगा।" क्या मसीह परिवार के रिश्ते खत्म करने आए थे? 82. मैथ्यू

35:10-36: "मैं आदमी को उसके पिता के खिलाफ, और बेटी को उसकी मां के

खिलाफ खड़ा करने आया हूं... और आदमी के दुश्मन उसके अपने घर के लोग होंगे ।"

निर्गमन 12:20: "अपने पिता और अपनी मां का आदर करो ।" क्या भगवान

लोगों को धोखा देते हैं? 83.

यहेजकेल 14:9 “अगर कोई नबी धोखा खाकर कोई बात कहे, तो मैं, यानी प्रभु,

उस नबी को धोखा देने वाला हूँ ।” याकूब 13:1

“भगवान किसी को बुराई से नहीं लुभाते। ” क्या पुजारी हमेशा के लिए होते हैं , या

उनका पुजारी का पद खत्म कर दिया गया है? 84. गिनती 13:25 “और उसका

अपने बाद आने वाले वंशजों के साथ एक करार होगा। ” एक हमेशा रहने वाला

पुजारी का पद। इब्रानियों

12:7 “अगर पुजारी का पद बदला जाता है, तो कानून में भी बदलाव होना ज़रूरी है ।”

क्या मसीह एक नबी है या भगवान का बेटा? 85.

मैथ्यू 21:11 "यह नासरत का पैगंबर यीशु है। " मैथ्यू 16:16 "तुम जीवित परमेश्वर के पुत्र
मसीह हो।"

क्या परमेश्वर को देखना संभव है? 86. निर्गमन 11:10-24: "और उन्होंने इस्राएल के परमेश्वर

को देखा। " यूहन्ना 1:18 "परमेश्वर ने उसे नहीं

देखा।" क्या केवल कानून का पालन करना या विश्वास करना आवश्यक है? 87.
रोमियों 3:31 "तो क्या हम विश्वास से कानून को रद्द करते हैं?

बिल्कुल नहीं! बल्कि, हम कानून को बनाए रखते हैं।" गलातियों 2:16 "कोई भी

कानून के कामों से, बल्कि यीशु मसीह में विश्वास से ही धर्मी नहीं ठहराया जाएगा।" क्या मैथ्यू और ल्यूक
के बीच यीशु की वंशावली में

कोई विरोधाभास है? 88. मैथ्यू 1: वंशावली दाऊद से सुलैमान तक है। ल्यूक 3: वंशावली दाऊद से
नातान तक है, सुलैमान से नहीं। क्या शिष्यों

का बुलावा शुरू से ही पूरा था? 89. मार्क 1:16-20: उन सभी को शुरू में बुलाया गया था। जॉन

1:35-51: अलग क्रम और अलग बुलावा।

क्या जीसस का शरीर फिर से जी उठने के बाद फिजिकल था या स्पिरिचुअल? 90.

लूका 24:39 "मेरे हाथ और मेरे पैर देखो... मांस और हड्डियां।" कुरिन्थियों 15:44 "वह

एक प्राकृतिक शरीर बोया जाएगा और एक आध्यात्मिक शरीर जी उठेगा ।"

क्या चेलों ने यीशु का संदेश समझा? 91. मरकुस 8:31-33:

जब उसने उन्हें अपनी मृत्यु और पुनरुत्थान के बारे में बताया, तो " पतरस ने उसे डांटा। " यूहन्ना 16:30:

"अब हम जानते हैं कि आप सब कुछ जानते हैं ।" क्या उद्धार स्थायी है या

यह खो सकता है? 92. यूहन्ना 10:28: "और कोई उन्हें मेरे

हाथ से छीन न लेगा ।" इब्रानियों 6:4-6 : "जो गिर गए हैं वे नए नहीं

हो सकते । " क्या प्रचार केवल यहूदियों के लिए था या अन्यजातियों के लिए? 93. मत्ती 5:6-10:

"अन्यजातियों के बीच मत जाओ... बल्कि इस्राएल के घराने की

खोई हुई भेड़ों के बीच जाओ ।" मत्ती 19:28 : " इसलिए जाओ और सभी राष्ट्रों के लोगों को चेला बनाओ ।" क्या यूहन्ना बपतिस्मा

देने वाला एलिय्याह था ?

यूहन्ना 1:21 " क्या तुम एलिय्याह नहीं हो?" उसने कहा, "मैं नहीं हूँ।"

क्या व्यभिचार की सजा कानून के अनुसार दी गई थी ? 95.

यूहन्ना 11:3-8: व्यभिचारी महिला को पत्थरवाह नहीं किया गया, बल्कि उसे क्षमा कर दिया

गया । व्यवस्थाविवरण 22:22 पत्थरवाह करने की सजा

स्पष्ट है । क्या यीशु एकमात्र चरवाहा है? 96. यूहन्ना

10:11 "मैं अच्छा चरवाहा हूँ । " प्रेरितों के काम 20:28 बिशपों से कहा गया है कि वे "परमेश्वर की कलीसिया के चरवाहे" हैं। क्या परमेश्वर युद्ध

का परमेश्वर है या शांति का परमेश्वर है? 97. निर्गमन

15:3 "प्रभु युद्ध का पुरुष है । " रोमियों 15:33 " शांति का परमेश्वर । " क्या यीशु सिरका पीने के बाद

मरा या पहले? 98. मत्ती 50: 48-27:50 क्या यीशु ने इंसानों के पाप उठाए

या नहीं? 99. यशायाह 53:6 “प्रभु ने हम सब के पापों का बोझ उस पर डाल दिया है। ” व्यवस्थाविवरण 24:16 “पिता अपने बच्चों के लिए, और न बच्चे

अपने पिता के लिए मारे जाएँगे ; हर व्यक्ति अपने पाप के

लिए मारा जाएगा। ”

पीटर के इनकार के बाद मुर्गे ने कितनी बार बांग दी? 100. मैथ्यू

26:34: "मुर्गे के बांग देने से पहले, तुम मुझे तीन बार मना करोगे।" मार्क
14:30:

"मुर्गे के दो बार बांग देने से पहले, तुम मुझे तीन बार मना करोगे। "

क्या ईश्वर ही बुराई का स्रोत है? 101.

यशायाह 45:7 "शांति का बनाने वाला और बुराई का बनाने वाला ।"
याकूब 1:17 "हर अच्छा तोहफ़ा... रोशनी के पिता से आता है, जिसमें न तो

कोई बदलाव होता है और न ही बदलाव की परछाई।" क्रॉस किसने उठाया?

यीशु ने या साइमन ने? 102. यूहन्ना 19:17 "और वह अपना क्रॉस

उठाए हुए बाहर चला गया। " मरकुस 15:21 "और उन्होंने एक
आदमी... साइरेन के साइमन को मजबूर किया । " उसका क्रॉस उठाने के लिए।

क्या मसीह तीसरे दिन मरे या तीन दिन बाद? 103. मैथ्यू 16:21 “तीसरे दिन वह फिर जी

उठेगा।” मैथ्यू 12:40 “ जैसे योना तीन दिन और तीन रात
बड़ी मछली के पेट में था।” क्या सूली पर चढ़ाया जाना तीसरे घंटे में हुआ था या
छठे घंटे में? 104.

मरकुस 15:25: "और जब उन्होंने उसे क्रूस पर चढ़ाया तो तीसरा घंटा था । "

यूहन्ना 16:14-19 बताता है कि क्रूस पर चढ़ाया जाना छठे घंटे के बाद हुआ था ।

क्या जॉन का बपतिस्मा परमेश्वर की ओर से था या मनुष्यों की ओर से? 105. मैथ्यू

21:25 यीशु पूछते हैं: "जॉन का बपतिस्मा, कहाँ से ?"

"वह?

प्रेरितों के काम 18:25 अपोलोस को जॉन के बपतिस्मा के बारे में पता था ,

लेकिन उसने बताया कि यह अधूरा था। क्या कानून

सही है या खत्म हो गया है? 106. भजन 19:7 "प्रभु का

कानून एकदम सही है ।" रोमियों 10:4 "क्योंकि कानून का

अंत मसीह है ।" क्या भगवान को अपने कामों पर पछतावा है? 107. उत्पत्ति

6:6 "प्रभु अपने दिल में दुखी था ।" शमूएल

15:29 "वह इंसान जैसा नहीं है, कि उसे पछतावा हो ।" क्या

इंसान भगवान को देख सकते हैं? 108. अय्यूब 42:5 "मैंने तुम्हारे बारे में

कानों से सुना था, लेकिन अब मेरी आँखों ने तुम्हें कभी नहीं देखा। "

जॉन 1:18 "भगवान ने उसे नहीं देखा।" क्या यीशु ही एकमात्र जज हैं? 109.

यूहन्ना 5:22 "पिता किसी का न्याय नहीं करता, बल्कि न्याय करने का सारा काम

बेटे को दे दिया है। " प्रेरितों

के काम 10:42 "उसे परमेश्वर ने जीवितों और मरे हुओं का न्याय करने वाला ठहराया है ।

" लेकिन मत्ती

19:28 कहता है कि चेले भी न्याय करेंगे। क्या परमेश्वर अपने फैसले बदलते हैं? 110.

निर्गमन 32:14 "प्रभु ने मुसीबत से तौबा कर ली

। " मलाकी 3:6 "मैं प्रभु हूँ, मैं बदलता नहीं ।"

क्या कोई ऐसा इंसान है जो पापी न हो? 111. सभोपदेशक

7:20 "क्योंकि धरती पर ऐसा कोई नहीं है जो नेक हो और पाप न करता हो।" लूका 1

:6 "और वे दोनों (जकर्याह और एलिजाबेथ)

भगवान के सामने नेक थे , और प्रभु की सभी आज्ञाओं और नियमों पर बिना किसी गलती के

चलते थे।" क्या यीशु न्याय करते हैं या नहीं करते? 112. यूहन्ना 3:17 "क्योंकि भगवान ने

अपने

बेटे को दुनिया में न्याय करने के लिए नहीं भेजा । " यूहन्ना

9:39 "क्योंकि मैं इस दुनिया में न्याय किए जाने के लिए आया हूँ ।"

क्या परमेश्वर पापियों से प्यार करता है या उनसे नफ़रत करता है?

113. "...यूहन्ना 3:16 "क्योंकि परमेश्वर ने जगत से ऐसा प्रेम किया ।" भजन 5:5 "जो लोग शेखी बघारते हैं, वे तुम्हारी आँखों के सामने खड़े न होंगे। " "तुमने सभी बुरे काम करने वालों से नफ़रत की

है।" क्या यीशु को फिर से ज़िंदा होने के बाद देखा और पहचाना जा सकता है? 114. "मत्ती

9:28 "तब वे उसके पास आए, उसके पैर पकड़े, और उसकी पूजा की ।" लूका 16:24 "तूने उनकी आँखों को उसे पहचानने से रोक दिया ।" क्या परमेश्वर

लोगों को लुभाता है? 115. "उत्पत्ति 1:22

"परमेश्वर ने अब्राहम को लुभाया । " जेम्स 1:13 "भगवान को बुराई से लुभाया नहीं जा सकता, न ही वह किसी को लुभाता है।" क्या जीसस डेविड के फिजिकल बेटे हैं?

116. "मैथ्यू 1:1 "जीसस क्राइस्ट, डेविड के बेटे की वंशावली की

किताब। " मार्क 35:12-37 जीसस खुद इस पर सवाल उठाते हैं: " शास्त्री कैसे कह सकते हैं कि मसीहा डेविड का बेटा है? क्या पैसे में खुशी है या नहीं?" 117. "एक्लेसिएस्टस 10:19 "चांदी से सब कुछ मिलता है ।" टिमोथी

6:10 "पैसे का प्यार सभी बुराइयों की जड़ है ।"

क्या भगवान हमेशा सब कुछ देखते हैं? 118. नीतिवचन

3:15 "प्रभु की नज़रें हर जगह हैं । " उत्पत्ति 9:3 "तब प्रभु

परमेश्वर ने आदमी को पुकारा और उससे कहा, ' तुम कहाँ हो ?'" (क्या वह

नहीं जानता था? स्वर्ग मिट जाएगा या

रहेगा?) 119. भजन 6:148 "उसने इसे हमेशा-

हमेशा के लिए स्थापित किया ।" मैथ्यू 35:24 "स्वर्ग और पृथ्वी मिट

जाएँगे।" क्या मुक्ति सिर्फ़ विश्वास से होती है या कामों से भी? 120.

इफिसियों 8:2-9 "कृपा से तुम बचाए गए हो... सिर्फ़ विश्वास से नहीं ।" प्रेरितों

के काम 24:2 "तो तुम देखते हो कि कामों से ही इंसान सही ठहराया जाता है । "

क्या पैगंबर सब कुछ जानते हैं या नहीं? 121. प्रेरितों के काम

3:24 “और शमूएल से लेकर सभी पैगंबरों ने... इन दिनों के बारे में

बताया।” पीटर 11:1-10 “पैगंबरों ने... मुक्ति

की खोज की , लेकिन समय नहीं जाना।” क्या मसीह कानून को बनाए रखने

आए थे या उसे खत्म करने? 122.

मैथ्यू 5:17 "मैं कानून को खत्म करने नहीं आया, बल्कि उसे पूरा करने आया हूँ ।" इब्रानियों 8:13 "पहला खत्म हो गया है ताकि दूसरा बनाया जा सके ।" क्या

चमत्कार हमेशा विश्वास की ओर ले जाते हैं? 123. जॉन 2:23 "बहुतों ने उसके नाम पर विश्वास किया जब उन्होंने उसके निशान देखे ।" जॉन 12:37 "और हालाँकि उसने उनके सामने निशान दिखाए थे, फिर भी उन्होंने उस पर विश्वास नहीं किया। " क्या यीशु ही अकेले चरवाहे हैं, या और भी हैं?

124. जॉन 10:16 "एक झुंड और एक चरवाहा होगा। " पीटर 5:2 "भगवान के झुंड की रखवाली करो... ऐसे नहीं जैसे कोई जायदाद पर राज करता हो।" क्या यीशु बेथलहम में पैदा हुए थे या नाज़रेथ में? 125. मैथ्यू 2:1 वह बेथलहम में पैदा हुए थे । जॉन 7:41-42 यहूदियों को

शक हुआ क्योंकि उन्हें लगा कि वह बेथलहम से नहीं, बल्कि नाज़रेथ से हैं। क्या

सूली पर चढ़ाना भगवान का प्लान था या धोखा?

126. प्रेरितों के काम 2:23 “परमेश्वर की पहले से तय योजना और पहले से जानकारी के अनुसार ।” उसे सूली पर चढ़ाया गया और वह

मर गया। मत्ती 26:24 “हाय उस मनुष्य पर जिसके द्वारा परमेश्वर के पुत्र को धोखा दिया जाता है ।” मनुष्य

क्या पॉल ने मसीह को देखा था? 127.

प्रेरितों के काम 9:7 "तब पौलुस ज़मीन पर से उठा, और दरवाज़ा खुल गया ।"

एक "आँखें तो हैं, पर वह देखता नहीं। कुरिन्थियों

1 :9 "क्या मैं प्रेरित नहीं हूँ? क्या तुमने हमारे प्रभु यीशु मसीह को नहीं देखा?"

क्या परमेश्वर हमेशा न्यायपूर्ण कार्य करता है? 128.

व्यवस्थाविवरण 32:4 "वह सच्चा परमेश्वर है, उस में कुटिलता नहीं ।"

मैथ्यू 13:12 "जिसके पास है, उसे और दिया जाएगा, और उसके पास बहुत हो जाएगा; परन्तु जिसके पास नहीं है,

उससे वह भी जो उसके पास है, छीन लिया जाएगा।" (क्या यह न्याय है?)

क्या लोगों की प्रार्थनाओं के कारण परमेश्वर अपना मन बदल लेता है? 129.

निर्गमन 32:14 "तब यहोवा ने दया की । "

शमूएल 15:29 "मनुष्य के समान नहीं, जो पश्चाताप करता है।" 1 क्या परमेश्वर के प्रेम और

संसार के प्रेम में मेल हो सकता है? 130.

यूहन्ना 3:16 "क्योंकि परमेश्वर ने जगत से ऐसा प्रेम रखा "

यूहन्ना 2:15 "यदि कोई संसार से प्रेम रखता है, तो उसमें प्रेम नहीं है ।" 1 पिता

क्या भगवान भूलते हैं या नहीं भूलते? 131.

यशायाह 49:15 "क्या कोई औरत अपने दूध पीते बच्चे को भूल सकती है?... लेकिन मैं तुम्हें नहीं भूलूंगा।"

(उत्पत्ति 8:1 "तब परमेश्वर ने नूह को याद किया।") (क्या वह भूल गया था?) क्या यीशु नेक लोगों के लिए आया था या पापियों के लिए? 132. मैथ्यू 9:13 "मैं नेक लोगों को नहीं, बल्कि पापियों को बुलाने आया हूँ ।" मैथ्यू 13:49 "वे बुरे लोगों को नेक लोगों से अलग करेंगे ।"

क्या माफ़ी शर्त पर मिलती है या मुफ़्त? 133. मैथ्यू 15:14-15 "अगर तुम दूसरों को माफ़ नहीं करोगे... तो तुम्हारे पाप भी माफ़ नहीं किए जाएँगे। " इफिसियों 1:7 "उसमें हमें उसके खून से छुटकारा मिला है, यानी पापों की माफ़ी। "

क्या मसीह की प्रार्थना का हमेशा जवाब मिलता है? 134. यूहन्ना 11:42 "और मैं जानता था कि तुम हमेशा सुनते हो ।" मत्ती 26:39 " हे पिता, अगर हो सके, तो यह प्याला मुझसे टल जाए।" और इसका जवाब नहीं मिला। क्या मसीह को पुनरुत्थान का समय पता है? 135. मरकुस 13:32 "लेकिन उस दिन या घंटे के बारे में कोई नहीं जानता... बेटा भी नहीं ।" यूहन्ना 16:30 "अब हम जानते हैं कि आप सब कुछ जानते हैं ।"

क्या चमत्कार विश्वास का कारण हैं या नहीं? 136. यूहन्ना 2:11

"और उसके चेलों ने उस पर विश्वास किया। " यूहन्ना

12:37 "और यद्यपि उसने ये चिन्ह उनके सामने दिखाए," तो भी उन्होंने उस

पर विश्वास नहीं किया। क्या यीशु

की कब्र पर महिलाओं की संख्या में कोई विरोधाभास है? 137. मत्ती 1:28 मरियम मगदलीनी

और दूसरी मरियम । मरकुस 1:16 मरियम मगदलीनी और याकूब की माँ

मरियम । लूका 10:24 मरियम मगदलीनी, जोआना और याकूब की माँ मरियम ।

यूहन्ना 1:20

केवल मरियम मगदलीनी । पुनरुत्थान के बाद सबसे पहले कौन प्रकट हुआ? 138. मत्ती

9:28 वह दो

मरकुस 9:16 वह सबसे स्त्रियों को दिखाई दिया ।

पहले मरियम मगदलीनी को दिखाई दिया । लूका

15:24 वह इम्माऊस के मार्ग पर दो शिष्यों को

सबसे पहले दिखाई दिया । कुरिन्थियों 5:15 वह सबसे पहले पतरस

को दिखाई दिया । 1 क्या धर्मी स्वर्ग पर चढ़ते हैं? 139. राजा 2:11

एलिय्याह स्वर्ग में चढ़ गया। 2 यूहन्ना 3:13 "कोई भी स्वर्ग में नहीं

चढ़ा, सिवाय उसके जो स्वर्ग से उतरा , यानी मनुष्य का पुत्र।"

क्या याकूब ने परमेश्वर को आमने-सामने देखा था? 140.

उत्पत्ति 32:30 "मैंने परमेश्वर को आमने-सामने देखा। "

"परमेश्वर को कभी किसी ने नहीं देखा। " यूहन्ना 1:18

क्या यीशु परमेश्वर हैं या भेजे गए पैगंबर? 141.

यूहन्ना 1:1 "और वचन परमेश्वर था। " यूहन्ना 3:17 "केवल तू

ही सच्चा परमेश्वर है, और यीशु ..."

"वह मसीहा जिसे तूने भेजा

क्या परमेश्वर की आत्मा (पवित्र आत्मा) स्वयं परमेश्वर है या 142.

बस एक फरिश्ता?

प्रेरितों के काम 3:4-5: "तुमने इंसानों से नहीं, बल्कि परमेश्वर से झूठ बोला है। " लूका 1:19:

गेब्रियल कहता है, "मैं गेब्रियल हूं, परमेश्वर के सामने खड़ा हूं। "

"।ईश्वर

क्या शिष्य संदेश के प्रति वफ़ादार थे? 143.

क्या

मैथ्यू 19:20-28: "उन्हें सब बातें मानना सिखाओ, जो मैंने तुम्हें आज्ञा दी है।"

गलातियों 1:6 : पौलुस कहता है कि वे सुसमाचार से भटक गए हैं ।

।जल्दी से

क्या मसीह दुनिया को बचाने आए थे या उसे दोषी ठहराने? 144.

यूहन्ना 3:17 "परमेश्वर ने अपने पुत्र को जगत को दोषी ठहराने के लिए नहीं, बल्कि उसे बचाने के लिए

भेजा । " यूहन्ना 9:39 "मैं न्याय के लिए इस जगत में आया हूँ ।" क्या मसीह के

आदेश हमेशा रहने वाले हैं या कुछ समय के लिए? 145. मत्ती 5:18

"जब तक स्वर्ग और पृथ्वी मिट न जाएँ, तब तक नियम का एक भी अक्षर या एक भी बिंदु मिटेगा नहीं ।" रोमियों 6:14 " तुम नियम के अधीन नहीं, बल्कि अनुग्रह

के अधीन हो।"

क्या पिता और पुत्र में कोई अंतर है? 146.

जॉन 14:28 "मेरे पिता मुझसे बड़े हैं । " जॉन 10:30 "मैं और पिता एक हैं ।" क्या कानून मूसा से आया था, या नहीं?

147. एक्सोडस 31:18 "भगवान ने इसे अपनी उंगली से लिखा। "

जॉन 1:17 "क्योंकि कानून मूसा के ज़रिए दिया गया था ।" (इससे पता चलता है कि मूसा कानून का सोर्स है, सीधे भगवान नहीं।) क्या यीशु ही मुक्ति का एकमात्र रास्ता है? 148. जॉन 14:6 "मैं ही रास्ता, सच्चाई और जीवन हूँ। " प्रेरितों के

काम 10:35 "लेकिन हर देश में ऐसे लोग हैं जो उससे डरते हैं और उसे मंज़ूर

नेकी करते हैं। "

क्या भगवान लोगों में भेदभाव करते हैं? 149. प्रेरितों के काम

10:34 "सच में मैं जानता हूँ कि भगवान किसी का पक्ष नहीं लेते । " रोमियों 9:13 "मैंने याकूब से प्यार

किया, लेकिन एसाव से नफ़रत की ।" क्या एक ही गॉस्पेल है या कई हैं? 150. गलातियों 7:1-6

"सिर्फ़ एक गॉस्पेल, और बाकी सब झूठे हैं।" लेकिन मैथ्यू, मार्क,

ल्यूक और जॉन के गॉस्पेल हैं — जो अलग-अलग कहानियों और घटनाओं वाले कई गॉस्पेल

हैं। बहुत

दिलचस्प! क्योंकि आपने कहा "जारी रखें," मैं 150 से आगे जाकर 160 या उससे ज़्यादा तक पहुँचने के लिए

विरोधाभासों का एक और सेट जोड़ूँगा, ताकि लिस्ट पूरी और रेफरेंस मटीरियल के

तौर पर मज़बूत हो सके।

क्या परमेश्वर झूठ बोलने का आदेश देता है? 151.

एक्सोडस 1:18-20: " दाइयों ने फिरौन से झूठ बोला, लेकिन भगवान ने उन पर दया दिखाई । " नीतिवचन

22:12: "झूठ बोलने

वाले होंठ भगवान के लिए घृणित हैं ।" जोसेफ के दादा, मैरी के मंगेतर कौन थे? जैकब या

हेली? मैथ्यू 1:16: "जैकब जोसेफ के पिता थे । " ल्यूक 23:3: "यूसुफ हेली का बेटा था ।"

क्या वंश डेविड से सोलोमन या 153. नाथन के ज़रिए आता है?

मैथ्यू 1:6: सोलोमन पार कर गया । ल्यूक 3:31: नाथन पार कर गया । क्या जैकब के सिर्फ़ 12 बेटे थे या उससे ज़्यादा? 154. जेनेसिस 35:22 में 12 बेटों का ज़िक्र है। एक्ट्स 7:14: "जैकब ने अपने पिता और अपने पूरे खानदान को बुलाया , पचहत्तर लोग।" — जबकि जेनेसिस 46:27 में सिर्फ़ 70 का ज़िक्र है।

यीशु के साथ कितने लोगों को सूली पर चढ़ाया गया था? 155. मैथ्यू 27:38: दो लुटेरे । ल्यूक 23:32-33: दो भी । लेकिन जॉन 18:19 में उनकी सही संख्या नहीं बताई गई है, और ऐसा समझा जाता है कि कभी-कभी दो से ज़्यादा भी होते थे। कब्र पर गार्ड थे या नहीं? 156. मैथ्यू 27:65-66: पिलातुस के आदेश पर कब्र पर गार्ड रखे गए थे । मार्क, ल्यूक और जॉन किसी भी गार्ड की मौजूदगी का ज़िक्र नहीं करते हैं । क्या जोसेफ और मैरी बेथलहम या नाज़रेथ में रहते थे? 157.

मैथ्यू 2:23: मिस्र से लौटने के बाद वे नासरत में रहते थे । ल्यूक 7:2-4: वे शुरू में नासरत में रहते थे और जन्म के लिए कुछ समय के लिए बेथलेहम गए थे। क्या परमेश्वर का राज्य जल्द आ रहा है या दूर

है? 158. मार्क 1:15: "परमेश्वर का राज्य पास आ गया है ।"

ल्यूक 21:17-20: "परमेश्वर का राज्य तुम्हारे अंदर है ।"

लेकिन सदियों बाद भी, राज्य उम्मीद के मुताबिक नहीं मिला है।

क्या शिष्यों ने मसीह का संदेश समझा? 159. मैथ्यू 16:17: "मांस और खून ने

नहीं, बल्कि मेरे पिता ने जो स्वर्ग में हैं, यह तुम्हें बताया है ।" मैथ्यू

16:23: कुछ पल बाद, यीशु ने पीटर से कहा: " मेरे पीछे हट, शैतान!" क्या यहूदा की मौत में कोई

उलटी बात है? 160. मैथ्यू 27:5 : "तो वह गया और फांसी लगा ली। " प्रेरितों के काम 1:18: "और वह मुंह के बल

गिरा और बीच से फट गया ।"

क्या राजा दाऊद ने लोगों की गिनती परमेश्वर की इच्छा से की थी या शैतान के लालच में आकर?

सैमुअल 1:24 "प्रभु का गुस्सा इज़राइल पर भड़क उठा , और उसने दाऊद को

उनके खिलाफ भड़काया, और कहा, 'जाओ और जनगणना करो।'" इज़राइल

क्रॉनिकल्स

1:21 "शैतान इज़राइल के खिलाफ खड़ा हुआ । " उसने दाऊद को इज़राइल की

जनगणना करने के लिए उकसाया। कुम्हार का खेत किसने

खरीदा? यहूदा ने या पुजारियों ने? 162. मैथ्यू 7:27 पुजारियों ने धोखे की कीमत पर

खेत खरीदा । प्रेरितों के काम 1:18 "यहूदा ने बुराई की मज़दूरी से खेत खरीदा

।" क्या भगवान इंसान को लुभाते हैं? 163. उत्पत्ति 1:22 "और भगवान ने अब्राहम को

परखा ।" याकूब 1:13 "भगवान को बुराई से

लुभाया नहीं जा सकता, न ही वह किसी को लुभाते हैं।"

शालतीएल का पिता कौन है? 164. मैथ्यू 1:12 "यकान्याह शालतीएल का पिता

था । " ल्यूक 3:27

"शालतीएल, नीरी का बेटा । " जंगल में लालच

कब हुआ? जेल जाने से पहले या बाद में? 165. जॉन?

मरकुस 13:1-14: प्रलोभन के बाद यूहन्ना को कैद कर लिया गया । यूहन्ना

1 और 3: प्रलोभन के बाद भी यूहन्ना बपतिस्मा देता रहा ।

याकूब के साथ कितनी आत्माएं मिस्र आईं? 166.

उत्पत्ति 46:27: 70 आत्माएं । प्रेरितों के काम

7:14: 75 आत्माएं। क्या प्रभु बादलों में रहता

है या प्रकाश में? 167.

व्यवस्थाविवरण 4:11 "यहोवा आग और बादल के बीच में है ।"

"और कोहरा

तीमुथियुस 6:16 “वह अगम्य प्रकाश में रहता है।” 1 क्या अब्राहम परमेश्वर का नाम “याहवे” जानता

था? 168.

उत्पत्ति 22:14 "और अब्राहम ने उस जगह का नाम यह रखा :

"यहोवा उसे देखता है

निर्गमन 6:3 "मैंने अपने नाम यहोवा से उन पर अपना प्रभाव नहीं डाला । "

क्या परमेश्वर राजाओं से प्रसन्न था? 169.

1 राजा 15:11 आसा ने कहा, "उसने वही किया जो मेरी नज़र में सही था । " 1 यहोवा

इतिहास 16:7 भविष्यवक्ता ने आसा को राजा अराम पर भरोसा करने के लिए डांटा।

क्या परमेश्वर को उस बुराई का पछतावा हुआ जो वह करने जा रहा था? 170.

योना 3:10 "तब परमेश्वर ने उस विपत्ति के विषय में खेद प्रकट किया जिसके विषय में उसने कहा था ।"

वह इसे बनाता है, और वह इसे नहीं बनाता है।

गिनती 23:19 "परमेश्वर मनुष्य नहीं, कि पछताए । "

क्या परमेश्वर शांति का आदेश देता है या तलवार का? 171.

रोमियों 12:18 "यदि हो सके, और केवल तुम्हारी सामर्थ्य के अनुसार ही ।"

"सभी लोगों के साथ शांति बनाए रखें।"

मत्ती 10:34 "यह न समझो कि मैं लोगों को नमस्कार करने आया हूँ।"

"मैं इस देश में शांति लाने नहीं, बल्कि तलवार लाने आया हूँ।"

क्या पौलुस रहस्योद्घाटन या व्यक्तिगत राय से बोल रहा था? 172.

कुरिन्थियों 7:40 "और मैं सोचता हूं कि मेरे पास भी एक है ।" परमेश्वर की आत्मा

1 कुरिन्थियों 7:12 "परन्तु बाकियों से मैं कहता हूं, 'नहीं। ' "

क्या किसी व्यक्ति का मूल्यांकन उसके कामों से होता है या केवल विश्वास से? 173.

मैथ्यू 16:27: “वह हर एक को उसके कामों के हिसाब से इनाम देगा। ” रोमियों 3:28: “इंसान बिना कामों के विश्वास से नेक ठहराया जाता है।” कानून

आशीर्वाद भगवान से मिलता है या पुजारियों से? 174.

उत्पत्ति 12:2 "मैं तुम्हें आशीर्वाद दूंगा और तुम्हारे नाम को बड़ा करूंगा। "

गिनती 27:6-23 परमेश्वर ने याजकों को इस्राएल के बच्चों को आशीर्वाद देने का
आदेश दिया

। क्या यहूदी परमेश्वर को जानते हैं? 175. रोमियों

1:2-3: "उन्हें परमेश्वर के वचन दिए गए हैं ।" यूहन्ना

54:55-8:56 "तुम उसे नहीं जानते, लेकिन मैं उसे जानता हूँ ।" 176. क्या यूसुफ और

मरियम की शादी मरियम की प्रेग्नेंसी के दौरान हुई थी, या सिर्फ़ सगाई हुई थी? " मरियम
तुम्हारी पत्नी है ।" मत्ती 20:1

"उसे अपने साथ ले जाने से मत डरो ।" मत्ती 18:1 "उनके मिलने से पहले,
वह प्रेग्नेंट पाई गई ।" क्या मरे हुए लोग परमेश्वर की आवाज़ सुनते हैं?

177. मरे हुए लोग परमेश्वर के बेटे की आवाज़ सुनते हैं । यूहन्ना

25:5 "वह समय आ रहा है।" सभोपदेशक 5:9 "मरे हुए लोग कुछ नहीं जानते । " मरियम
मगदलीनी से

कितने शैतान निकाले गए? 178. मरकुस 16:9 "उसने उसमें से सात

शैतान निकाले ।" लेकिन दूसरी जगहों पर इसका ज़िक्र बिना नंबर बताए किया गया है, या इसे

दूसरी महिलाओं से जोड़ा गया है। क्या यीशु को सूली पर चढ़ाना ज़रूरी था या
नहीं? 179. मरकुस 8:31 "उसे बहुत दुख उठाना होगा और मारा जाएगा ।"

इब्रानियों 4:6-10: "बलिदान और भेंट से तुम्हें कोई खुशी नहीं हुई।" (जैसे कि बलिदान की ज़रूरत ही नहीं थी।) क्या चेलों ने सीधे

तौर पर फिर से जी उठने को देखा था? 180. मरकुस 14:16: वह फिर

से जी उठने के बाद उनके सामने आया और उनके यकीन न करने पर उन्हें डांटा। यूहन्ना 8:20: "फिर दूसरा

चेला, जो पहले आया था, कब्र में गया और देखकर यकीन किया।" लेकिन ज़्यादातर बातें कहती हैं कि मसीह के आने के बाद भी,

वे फिर से जी उठने का मतलब नहीं समझ पाए।

क्या यीशु कानून को पूरा करने आए थे या खत्म करने? 181. मैथ्यू 5:17 "मैं इसे

खत्म करने नहीं, बल्कि पूरा करने आया हूँ ।" रोमियों 10:4 "क्योंकि

मसीह कानून का अंत है । " गलातियों 3:13 "मसीह ने हमें कानून के श्राप से छुड़ाया

है । " यीशु ने सबसे पहले किसे शिष्य बनाया? 182. यूहन्ना 1:40-41 एंड्रयू यीशु के पीछे

चलने वाला पहला शिष्य था । मैथ्यू 18:19-4:18 पीटर और

एंड्रयू मिलकर सबसे पहले बुलाए गए थे । क्या कोई ऐसा नेक इंसान है जो पाप नहीं करता?

183. नीतिवचन 20:9 "कौन कहता है, 'मैंने अपना दिल साफ कर लिया है'? "

अय्यूब 1:1 "यह आदमी बेदाग और सीधा था ।" क्या सारे पाप माफ़ हो

जाते हैं? 184. मरकुस 3:28 "सब पाप माफ़

हो जाते हैं।" मरकुस 3:29 " जो कोई पवित्र आत्मा की

बुराई करता है, उसे हमेशा के लिए माफ़ नहीं किया जाएगा।" क्या भगवान सबको

देखते हैं? 185. नीतिवचन

15:3 "प्रभु की नज़र हर जगह है । "

उत्पत्ति 18:21 "मैं नीचे जाकर देखूंगा कि उन्होंने ठीक वैसा ही

किया है जैसा उसने कहा था।" क्या एक इंसान को दूसरे के लिए छुड़ाया जा सकता

है? 186. भजन

49:7 "कोई दूसरे को छुड़ा नहीं सकता। " मरकुस

10:45 "वह बहुतों के लिए अपनी जान फिरौती के तौर पर

दे ।" क्या वंश के कारण आशीर्वाद मिलते हैं? 187. निर्गमन 6:5-20: "मैं

अपने हज़ारों दोस्तों पर दया करूंगा ।" यहेजकेल 18:20

" बेटा पिता का अधर्म नहीं उठाएगा, और न ही पिता बेटे का अधर्म

उठाएगा।"

क्रॉस किसने उठाया? यीशु या साइरेन का साइमन? 188. जॉन 19:17 "तो

वह अपना क्रॉस लेकर बाहर चला गया ।"

मैथ्यू 27:32, मार्क 15:21, ल्यूक 23:26. साइरेन के साइमन ने क्रॉस उठाया। क्या जॉन द बैपटिस्ट एलिय्याह था? 189. मैथ्यू

11:14: "अगर तुम उसे मानने को तैयार हो, तो वह एलिय्याह है ,

जो आने वाला था।" जॉन 1:21: "क्या तुम एलिय्याह नहीं हो?" उसने कहा, "मैं नहीं हूँ।" क्या भगवान लोगों को धोखा देते हैं? 190. थिस्सलुनीकियों 2:11: "इसलिए भगवान उन्हें एक्ट

2 भेजेंगे । " जेम्स 1:13: "भगवान किसी को

भी बुराई से नहीं लुभाता ।"

क्या कानून अच्छा है या बोझ? 191. रोमियों 12:7 “कानून

पवित्र है, और आज्ञा पवित्र, और न्यायपूर्ण और अच्छी है।” गलातियों 1:4-5 कानून को गुलामी के रूप में बताता है, और जो कोई भी उससे चिपका रहता है वह कृपा से गिर जाता है।

क्या परमेश्वर बदलता है? 192. मलाकी

3:6 “मैं यहोवा हूँ, मैं बदलता नहीं ।”

निर्गमन 32:14 "तब यहोवा ने अपनी प्रजा पर जो विपत्ति डालने की बात कही थी, उससे वह पछताया।"

क्या कोई एक नेक इंसान है? 193.

भजन 14:3 "कोई भी अच्छा काम करने वाला नहीं है, एक भी नहीं । " लूका 1:6 "और वे दोनों परमेश्वर

के सामने नेक थे।" क्या विश्वास करने वाले के लिए सब कुछ जायज़ है?

194. कुरिन्थियों 6:12 "मेरे लिए सब कुछ जायज़ है । " 1

कुरिन्थियों 10:23 "लेकिन सब कुछ मनचाहा नहीं है। " 1 पवित्र आत्मा को

किसने भेजा, पिता ने या पुत्र ने? 195. यूहन्ना 14:26 "पिता उसे मेरे नाम से भेजेगा। " यूहन्ना

15:26 "जब मददगार आएगा, जिसे मैं पिता की ओर से तुम्हारे पास भेजूँगा।" क्या

परमेश्वर पापियों से प्यार करता है? 196.

यूहन्ना 3:16 "क्योंकि परमेश्वर ने जगत से ऐसा प्रेम रखा । " भजन

संहिता 5:5 "तू सब बुरे काम करने वालों से घृणा करता है ।" क्या मसीह

अपनी इच्छा से मरा या उसे मजबूर किया गया? 197. यूहन्ना 10:18 "मुझे इसे

त्यागने का अधिकार है, और मुझे इसे फिर से लेने का भी अधिकार है। "

मैथ्यू 26:39 "मेरी नहीं, बल्कि तेरी मर्ज़ी पूरी हो।" (यह सूली पर न चढ़ाए जाने की अपील है ।) क्या

कानून से कोई सही

ठहराया जा सकता है? 198. गलातियों 2:16 "कानून के

कामों से कोई भी सही नहीं ठहराया जाएगा । " रोमियों 2:13 "जो कानून सुनते हैं वे भगवान के सामने नेक नहीं हैं, लेकिन जो कानून पर चलते हैं वे ही सही ठहराए जाएंगे।" क्या भगवान झूठे पैगंबर भेजते हैं? 199. राजा 22:23 "प्रभु ने तुम्हारे सभी पैगंबरों के मुंह में झूठी

आत्मा डाल दी है।" व्यवस्थाविवरण 18:20 "जो पैगंबर दूसरे

देवताओं के नाम पर बात करता है वह मर जाएगा। "

क्या कर्मों का फल इस दुनिया में मिलता है या अगली दुनिया में? 200. मैथ्यू 1:4-6:

इनाम स्वर्ग में पिता की तरफ से गुप्त रूप से मिलता है । अय्यूब 10:42: अय्यूब को इस दुनिया में उसके कर्मों का फल मिला ।